दिनांक **24** जनवरी, **2017** को रामकृष्ण मिशन द्वारा आयेजित किसान मेला के अवसर पर माननीया राज्यपाल महोदया का अभिभाषण

प्रसिद्ध स्वयंसेवी एवं आध्यात्मिक संस्था रामकृष्ण मिशन द्वारा आयोजित किसान मेला के अवसर पर आप सभी किसान भाइयों एवं बहनों के बीच सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है।

राज्य के किसानों को बेहतर कृषि कार्य करने हेतु **encourage** करना सुखद है। उन्हें इस निमित्त विभिन्न तकनीकों की जानकारी देने के मकसद से रामकृष्ण मिशन द्वारा विगत **38** वर्ष से किसान मेला का आयोजन करना एक सराहनीय प्रयास है।

झारखंड राज्य एक कृषि प्रधान राज्य है। यहाँ की 70%से अधिक आबादी गाँवों में बसती है एवं कृषि ही उनके आजीविका का मुख्य साधन है।...

अतः खुशहाल किसान ही खुशहाल झारखण्ड का निर्माण कर सकते हैं। राज्य में **65%** से अधिक लोग खेती पर निर्भर हैं। कृषि राज्य की **Economy** की रीढ़ है। इसलिए कृषि का विकास एवं किसानों की समृद्धि विकास की दृष्टि से अति आवश्यक पहलू है। यहाँ के किसान कड़ी मेहनत करते हैं, परन्तु यदि किसानों को उनके मेहनत का उचित फल नहीं मिल पाता, तो यह हम सबके लिए चिन्तनीय विषय है। इस दृष्टिकोण से इस प्रकार के किसान मेला का आयोजन सार्थक है। आशा है कि यहाँ किसानों को कृषि पैदावार में वृद्धि हेतु नवीन तकनीक की जानकारी सुलभ हुआ होगा।

हमारी कृषि वर्षा आधारित है, लेकिन देखा गया है कि कई बार अच्छी बारिश होने के बावजूद हम सिंचाई कार्य में वर्षा जल का बेहतर उपयोग नहीं कर पाते हैं। पठारी इलाका होने के कारण पानी का तेजी से बहाव हो जाता है।...

सिंचाई की कमी रहने के कारण अधिकांश कृषि भूमि में वर्षा आधारित धान की एक–फसली खेती की जाती है। हमें एक–फसली तक सीमित न रहकर बहु–फसली खेती की ओर ध्यान देना होगा। किसानों को वर्षा जल संचयन पर बल देना होगा तथा इसके प्रति जागरुक होकर इसे अपनाना होगा क्योंकि इससे सबसे अधिक फायदा किसानों को ही होगा। हालांकि "खेत का पानी खेत में, गाँव का पानी गाँव में" इस संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए डोभा निर्माण हेतु लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इससे वर्षाजल का अधिकतम उपयोग हो सकेगा तथा हमारे किसानों को लाभ मिलेगा।

हमारा मकसद एवं सोच है कि हमारे किसान आत्मनिर्भर बने। इसके लिए हमारे **Agriculture Scientist, N.G.O.,** को पूरी निष्ठा एवं लगन से काम करना होगा। उन्हें किसानों के बीच उनके खेतों में जाना होगा।...

कौन–सा भू–भाग किस प्रकार की खेती एवं फसल के लिए बेहतर होगा, इसकी जानकारी किसानों को सुलभ करानी होगी, तभी **Lab to Land** का **concept** पूरी तरह से सफल होगा। विदित हो कि जब तक हमारे गाँवों का पूरी तरह से विकास नहीं होगा, तब तक हमारा देश खुशहाल नहीं हो पायेगा। हम पूर्ण रूप से सशक्त नहीं हो पायेंगे।

झारखंड राज्य की भूमि सब्जी पैदावार, वानिकी एवं फूल पैदावार की नज़रिये से अच्छी है। यहाँ के किसान इन सबकी खेती करें तो उन्हें अच्छी आमदनी हो सकती है। साथ ही दलहन की फसलों पर और ध्यान दिया जाय तथा फलदार पौधे भी लगायें।

इस मेले के जरिये किसानों को तमाम तरह के वैज्ञानिक उपकरणों और **expert** से रु–बरु होने का मौका मिला होगा।...

साथ ही इस मेले में किसनों को आपस में अच्छी पैदावार के लिए अपनाई की गई तकनीक पर **discuss** करने का भी बेहतर मौक़ा मिला होगा। मैं सभी किसानों के बेहतर भविष्य की कामना करती हूँ। उनकी तरक्की में ही राष्ट्र व राज्य की तरक्की निहित है।

जय हिन्द! जय झारखंड!